मनोविज्ञान का महत्व

साइकॉलजी में इंसान के बर्ताब और इससे जुड़ी परेशानियों का इलाज किया जाता है। साइकॉलॉजिस्ट का काम इंसान के दिमाग को पढ़कर उसके मन में चल रही समस्याओं को खत्म करना होता है। अधिकतर छात्रों को यह अलग हटकर कोर्स लगता है इसलिए कई छात्र इसे अपना करियर चुनते हैं जबकि कई छात्रों को मानव व्यवहार में दिलचस्पी होती है।

साइकॉलजी एक ऐसा क्षेत्र है जिसे लीक से हटकर माना जाता है इस कोर्स में पढ़ाई के लिए छात्रों की दिलचस्पी हर साल बढ़ती जा रही है जिससे इस कोर्स की कटऑफ भी काफी ऊंची रहने लगी है। साइकॉलजी तेजी से छात्रों का पसंदीदा विषय बनता जा रहा है और इसका कारण इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं का होना भी है हर साल लाखों छात्र इस क्षेत्र को अपना करियर चुनते हैं यहां हम आपको इस कोर्स और इसके बाद की संभावनाओं के बारे में बता रहे हैं।

12वीं के बाद कोर्स करें कोर्स

बारहवीं के बाद ह्यूमेनिटिस के अधिकतर छात्र बीए ऑनर्स (साइकॉलजी) को चुनते हैं क्योंकि इस क्षेत्र में करियर बनाने के कई मौके मिलते हैं। हर साल यूनिवर्सिटी में साइकॉलजी कोर्स की कट ऑफ में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। छात्रों का इस कोर्स की ओर रूझान हर साल बढ़ रहा है। बता दें कि यूनिवर्सिटी में इस कोर्स की कट ऑफ 98 से ऊपर रहती है।

क्या है साइकॉलजी की पढ़ाई

साइकॉलजी में इंसान के बर्ताब और इससे जुड़ी परेशानियों का इलाज किया जाता है। साइकॉलॉजिस्ट का काम इंसान के दिमाग को पढ़कर उसके मन में चल रही समस्याओं को खत्म करना होता है। अधिकतर छात्रों को यह अलग हटकर कोर्स लगता है इसलिए कई छात्र इसे अपना करियर चुनते हैं जबकि कई छात्रों को मानव व्यवहार में दिलचस्पी होती है।